– डॉ॰ नरेन्द्र प्रताप पालित

महादेशीय ढाल एवं गहरे सागरीय मैदान
(Continental Slope & Deep sea Plains)

मग्नतट के सागरोन्मुखी सीमान्त पर अचानक अतिशय तीव्र ढ़ाल वाले महासागरीय पेंदी की स्थिति रहती है। महासागरीय नितल के इस हिस्से को महादेशीय ढ़ाल कहा जाता है।

दरअसल इसे महादेशीय खण्ड एवं महासागरीय बेसिन का सन्धि स्थल कहा जा सकता है।

यों तो महासागरीय नितल के इस हिस्से का औसत ढ़ाल 5° रहता है परन्तु सेन्ट हेलना के सहारे ये 40° एव सेन्टपॉल के पास 62° तक पाया जाता है।

Scanned with CamScanner

आस्ट्रेलिया के उत्तरी तट के सहारे यह 1° से भी कम है।

इनकी गहराई समान्यत- या 100 से 750 मीटर तक मानी जाती है। पर्वत श्रेणियों की स्थिति वाले तटों के सहारे ढाल अधिक तीव्र होते हैं। जबकि नदियों के सामने इसका ढाल कम होता है।

वितरण:- यों तो सम्पूर्ण महासागरीय क्षेत्र के मात्र 8.5% भाग पर ही महाद्वीपीय ढालों का विस्तार है, परन्तु विविध महासागरों में इस अनुपात में अन्तर पाया जाता है।

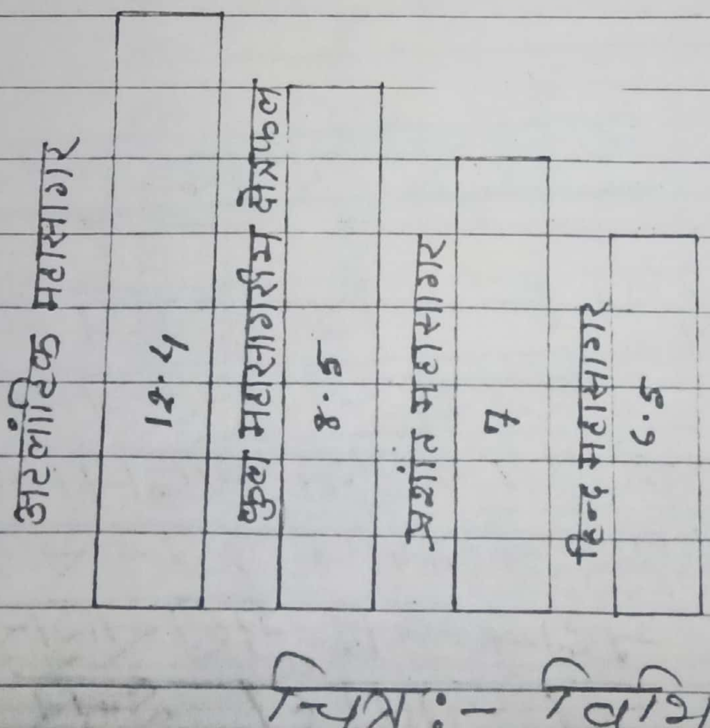

चित्र:- विभिन्न महासागरों के सम्पूर्ण क्षेत्रफल में महाद्वीपीय ढालों का प्रतिशत

Scanned with CamScanner

महाद्वीपीय ढालों की उत्पत्ति :-

इसकी उत्पत्ति के सम्बन्ध में विद्वानों में काफी मतान्तर पाये जाते हैं।

शेपार्ड महोदय ने कहा है कि विभिन्न भागों में विभिन्न कारणों से इनका निर्माण सम्भव हो पाया होगा। उन्होंने यह भी कहा है की इनकी उत्पत्ति पुरातन स्थलखण्डों के झुकाव के कारण भी हो सकता है।

इनकी उत्पत्ति सागरीय तरंगों द्वारा अपरदन के कारण भी बतायी गयी है तो इनके सम्बन्ध भ्रंशन या वलन से भी जोड़े गये हैं।

गहरे सागरीय मैदान :-

परिचय :- भू-पृष्ठीय मैदानों के ही समतुल्य महासागरीय पेंदी पर भी विस्तृत मैदानों की स्थिति पाई जाती है, जिसे महासागरीय मैदान या महासागरीय बेसिन कहा जाता है। इनके ढाल अत्यन्त ही मन्द होते हैं एवं इसकी औसत गहराई 3000-6000 मीटर तक होती है।

यत्र-तत्र महासागरीय

Scanned with CamScanner

मैदानों की समतलता को भंग करते हुये अन्तः सागरीय कटको, पर्वतों एवं गर्तों की स्थिति पायी जाती है अतएव हम कह सकते हैं कि महासागरीय मैदान बिल्कुल समतल न होकर लगभग समतल होते हैं।

विस्तार :- महासागरीय पेंदी के अधिकांश भाग 76% पर ऐसे मैदानों के विस्तार पाये जाते हैं परन्तु विभिन्न महासागरों में यह अनुपात बदलता रहता है

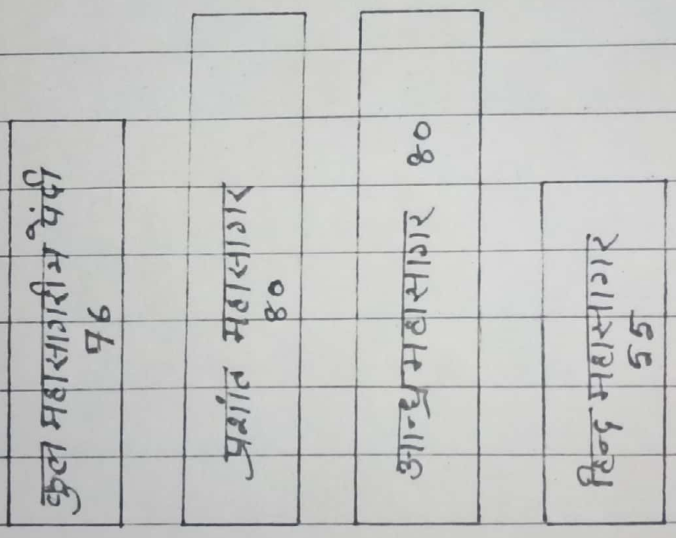

चित्र :→ महासागरों के कुल क्षेत्रफल में महासागरीय मैदानों का प्रतिशत

20° उत्तरी अक्षांश से लेकर 60° दक्षिणी अक्षांशों के मध्य तक महासागरीय मैदानों की अतिशयता पायी जाती है जबकि 60° उत्तरी अक्षांश से

Scanned with CamScanner

70° उत्तरी अक्षांश तक इनकी न्यूनता होती है।

अर्थात् हम कह सकते हैं कि यों तो महासागरीय मैदान मन्द ढाल वाले लगभग समतल महासागरीय हिस्से है, परन्तु इनकी अत्यन्त ही अल्प जानकारी प्राप्त हो सकी है।

Scanned with CamScanner